

यहाँ आओ दामन के फैलाने वाले शिव भजन लिरिक्स



यहाँ आओ दामन के फैलाने वाले,

दोहा – अकाल मौत वो मरे,
जो काम करे चंडाल का,
काल उसका क्या बिगाड़े,
जो भक्त हो महाकाल का।

यहाँ आओ दामन के फैलाने वाले,
यहाँ आके भोले के दर से मिलेगा,
नहीं मिल सका आज तक जो कहीं से,
वो सावन में भोले के दर से मिलेगा। **lbd।**

तर्ज – तुम्हे दिल्लगी।

कैलाश के भोले तुम रहने वाले,
भक्तों पे ऐसी कृपा करने वाले,
सावन का महीना है कृपा करदो भोले,
सावन का महीना है कृपा करदो भोले,
जल चढ़ाने आए है दर पे तुम्हारे,
यहां आओ दामन के फैलाने वाले,
यहां आके भोले के दर से मिलेगा। **lbd।**

कुछ ऐसे भी दीवाने आए है दर पर,
जो दस्ते तलब तक बढ़ाते नहीं है,
तुम्ही भोले अपने करम को बढ़ाओ,
तुम्ही भोले अपने करम को बढ़ाओ,
नहीं तो इन्हे फिर कहाँ से मिलेगा,
यहां आओ दामन के फैलाने वाले,
यहां आके भोले के दर से मिलेगा। **lbd।**

यहां आओ दामन के फैलाने वाले,
यहां आके भोले के दर से मिलेगा,
नहीं मिल सका आज तक जो कहीं से,
वो सावन में भोले के दर से मिलेगा। **lbd।**

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>

